चूची से जीजाजी की गाण्ड मारी-6

“सुधा स्क्रीन पर वह आदमी एक को चोद कर लेटा था और अब दूसरी की चुदाई की तैयारी कर रहा था। दूसरी औरत उठी और आदमी की तरफ़ मुँह कर उसके लौड़े को अपनी बर में डाल कर बैठ गई। अब वे दोनों बात करके चुदाई कर रहे थे। मुझे लगा इस तरह से चुदाई […] …”

Story By: alisha (alisha)
Posted: सोमवार, जून 2nd, 2014
Categories: जीजा साली
Online version: चूची से जीजाजी की गाण्ड मारी-6

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चूची से जीजाजी की गाण्ड मारी-6

सुधा

स्क्रीन पर वह आदमी एक को चोद कर लेटा था और अब दूसरी की चुदाई की तैयारी कर रहा था। दूसरी औरत उठी और आदमी की तरफ़ मुँह कर उसके लौड़े को अपनी बर में डाल कर बैठ गई।

अब वे दोनों बात करके चुदाई कर रहे थे।

मुझे लगा इस तरह से चुदाई करने में लौड़ा बुर के अन्दर ठीक से जाएगा और मैं पलटी और जीजाजी के दोनों पैर ऊपर करके उनके लण्ड को अपने बुर में लेकर चुदाई करने लगी।

मुझे अब पिक्चर दिख नहीं रही थी पर अब उसे देखने की परवाह भी नहीं रह गई और हम लोग अपनी चुदाई में मशगूल हो गए। जीजाजी मेरी चूचियों को दबाते हुए नीचे से चूतड़ उछाल कर अपने लण्ड को मेरी बुर में गहराई तक पहुँचा रहे थे और वहीं मैं पिक्चर वाली लड़की की तरह उछल-उछल कर चुदाई में संलिप्त थी।

मूवी देख कर जीजाजी मुझे दूसरे आसन में चुदाई करने लगे।

अब मैं डॉगी स्टाइल में थी, जीजाजी कभी ऊपर आते कभी मुझे ऊपर कर मुझसे चोदने के लिए कहते।

इस तरह हम लोगों ने जब तक पिक्चर चलती रही, तरह-तरह से चोदते रहे और वे मेरी बुर में एक बार फिर से खलास हुए।

मैं जीजाजी के नीचे कुछ देर पड़ी रही। फिर जीजाजी मेरे बगल में आ गए।

जीजाजी ने फिर उठ कर मेरी बुर को साफ किया और बिना बालों वाली बुर को चूम कर बोले- ओह..! मेरी प्यारी साली, इस बुर पर झाँटें ना होने का राज अब तो बता दो..!

मैं बोली- जीजा जी आज कई बार चुद कर बहुत थक गई हूँ, अब मैं अपने कमरे में सोने जा रही हूँ, बाकी बातें कल..!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

जीजाजी बोले- यहीं सो जाओ न ..!

मैंने कहा- यहाँ सोना खतरे से खाली नहीं है, मैं तुम्हारी घर वाली तो हूँ नहीं, कोई देख या जान लेगा तो क्या कहेगा..!

लेकिन आधी घरवाली तो हो..!

लेकिन आप ने तो पूरी घरवाली बना लिया, चोद-चोद कर बुर का भुरता बना दिया।

प्लीज़ थोड़ा और रूको ना.. वो राज बता कर चली जाना..! जीजाजी मिन्नत करने वाले लहजे में बोले।

कल बता दूँगी, मैं कोई भागी तो जा नहीं रही हूँ... अच्छा तो अब चलती हूँ।

फिर कब मिलोगी ?

आधी रात के बाद... टा... टा... बाइ... बाइ...!

सुबह जब चमेली ने मुझे जगाया तो 7 बज चुके थे।

चमेली मुस्कराते हुए बोली- तुम्हारी और जीजाजी की चाय लाई हूँ, लगता है जीजाजी से बहुत रात तक खाट-कबड्डी खेली हो।

हाँ रे..! रात जीजाजी मुझे छोड़ ही नहीं रहे थे, बड़ी मुश्किल से अपने कमरे में सोने आ पाई..!

सच दीदी..! कितनी बार लिया जीजा जी का लण्ड ?

यही करीब 6-7 बार..!

दीदी मज़ाक मत करिए सच-सच बताईए ना, मैं रात भर चुदाई के बारे में सोच-सोच कर ठीक से सो नहीं पाई..!

मैंने उसकी बड़ी-बड़ी चूचियों को दबाते हुए कहा- अच्छा मेरी बन्नो..! चुद मैं रही थी और मज़ा तुम ले रही थीं, चल..! जीजाजी के कमरे में चाय पीते हैं..

मैं उठी कपड़े और बाल ठीक किए और चमेली के साथ चाय लेकर जीजाजी के कमरे में आ गई, जीजाजी गहरी नींद में सो रहे थे।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

चाय साइड की टेबल पर रखकर चमेली ने धीरे से चादर खींची, जीजाजी नंगे ही सो रहे थे, उनका लौड़ा भी सो रहा था।

चमेली धीरे से बोली- दीदी देखो ना कैसा सुस्त-सुस्त सा पड़ा है..!

मैंने उनके गाल पर गीला चुम्बन लिया और वे जाग गए, उन्होंने मुझे अपनी बाँहों में समेट लिया।

चमेली चहकी, “वाह जीजाजी..! रात भर दीदी की चुदाई करके नंगे ही सो गए..!

अरे रात भर कहाँ.. तुम्हारी दीदी तो एक ही बार में पस्त हो कर भाग गई थीं, आधी रात के बाद का वादा करके… पर आईं अब..!

अरे जीजाजी..! आधी रात के बाद वाली बात तो गाने की तुक भिड़ा कर कहा था। मैंने अपने को छुडाते हुए चमेली से कहा- पूछ ली ना बुर-चोदी..! लगता है चुदवाने के लिए तेरी बुर रात भर कुलबुलाती रही, ऐसा था तो यहीं रात में रुक क्यों नहीं गई..!

फिर जीजाजी को चादर देती हुई बोली- चलिए गरम-गरम चाय पी जाए।

चादर लपेट कर जीजा जी उठे और बाथरूम में जाकर पायजामा एवम् शर्ट पहन कर बाहर आकर हम लोगों के साथ चाय पी।

फिर जीजाजी चमेली से बोले- ज़रा एक सिगरेट तो सुलगा कर देना।

चमेली ने एक सिगरेट अपने मुँह में लगा कर सुलगाई, फिर कपड़े के ऊपर से ही बुर के पास ले गई और जीजा जी के होंठों में लगा दी। हम सब हँस पड़े।

जीजाजी सिगरेट लेकर यह कहते हुए बाथरूम में घुस गए- मुझे 10 बजे ऑफिस पहुँचना है, 2 बजे तक लौट आऊँगा।

मैं समझ गई कि जीजाजी के पास इस समय हम लोगों से बात करने के लिए समय नहीं है।

तभी मम्मी का कॉल-बेल बज उठा, हम नीचे आ गए।

मेरी मम्मी बहुत कम ही सीढ़ी चढ़ कर ऊपर आती हैं। उन्हें एक अटॅक पड़ चुका है। उन्होंने नीचे से मेरे कमरे में एक कॉलिंग-बेल लगवा दिया है कि जब उन्हें ज़रूरत हो, मुझे ऊपर से बुला लें।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

करीब 9 बजे जीजाजी तैयार होकर ऊपर से नीचे उतरे और नाश्ता करके ऑफिस चले गए।
दो बजे के करीब वे ऑफिस से लौटे और खाना खाकर आराम करने ऊपर चले गए। इस बीच चमेली आ गई साफ-सफाई करने के बाद वह यह कह कर चली गई कि वह एक घंटे के बाद आ जाएगी।
उसका जाना इसलिए भी ज़रूरी था क्योंकि उसे आज कामिनी के यहाँ रुकना था।
थोड़ी देर बाद माँ भी एक घंटे में आने के लिए कह कर बगल में चली गईं।
मैंने चाय बनाई और उसे लेकर ऊपर आ गई। जीजाजी दो घंटे आराम कर चुके थे। चाय साइड की टेबल पर रख कर उन्हें जगाने के लिए जैसे ही झुकी, उन्होंने मुझे अपने आगोश में ले लिया। शायद वे जाग चुके थे और मेरे आने का इंतजार कर रहे थे।
मैंने उन्हें चूमते हुए कहा- जीजाजी अब उठिए..! चाय पी कर तैयार होईए कामिनी का दो बार फोन आ चुका है।
जीजा जी उठे, हम दोनों ने चाय पी, चाय पीने के बाद जीजा जी सिगरेट पीते हैं इसलिए आज मैंने उनके पैकेट से एक सिगरेट निकाली और अपने मुँह में लगा कर जला दिया और एक कश लगाकर धुआँ जीजाजी के चेहरे पर उड़ा दिया।
फिर सिगरेट जीजाजी को देते हुए बोली- आप कामिनी के यहाँ चलने के लिए तैयार होइए, मैं भी अपने कमरे में तैयार होने जा रही हूँ।
जीजाजी बोले- चलो मैं भी वहीं चलकर तैयार हो लूँगा।
मैंने सोचा कि चलो ठीक है जीजाजी के मन-पसंद कपड़े पहन लूँगी।
फिर बोली- अपने कपड़े ले कर आइए लेकिन कोई शैतानी नहीं..!
मैं बगल के अपने कमरे में आ गई, पीछे-पीछे जीजाजी आ गए और आकर पलंग पर लेट गए और बोले- तुम तैयार हो जाओ… मुझे क्या बस कमीज-पैन्ट ही तो पहनना है।
मैं बाथरूम में मुँह धो आई और ऊपर के कपड़े उतार दिए। अब मैं पैन्टी और ब्रा में थी, ब्रा का हुक फँस गया था, जो खुल नहीं रहा था।
मैं जीजा जी के पास आई और बोली- ज़रा हुक खोल दीजिए ना..!

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैं पलंग पर बैठ गई, उन्होंने हुक खोल कर दोनों कबूतरों को पकड़ लिया, फिर मेरे होंठ को अपने होंठ में ले लिया।

उनके हाथ मेरी पैन्टी के अन्दर पहुँच गए।

अपने को छुड़ाने की नाकाम कोशिश की, लेकिन मन में कहीं मिलने की उत्सुकता भी थी, मैं बोली- जीजाजी आप ये क्या करने लगे, वहाँ चल कर यही सब तो होना है… प्लीज़ जीजाजी ऊँगली निकालिए……ओह… क्यों मन खराब करते हैं… ओह… बस भी कीजिए…!

जीजाजी कहाँ मानने वाले थे। उन्होंने पैन्टी को उतार दिया और मेरी बिना झाँटों वाली बुर को चूमने-चाटने लगे और बोले- मैं इस बिना बाल वाली बुर का दीवाना हो गया हूँ। मन होता है कि इसे दिन-रात प्यार करूँ, हाँ..! अब जब तक अपना राज नहीं खोलोगी मैं कुत्ते की तरह अपना लण्ड तुम्हारे बुर में फँसा दूँगा जैसे तुमने कल देखा था।

मैंने जीजाजी को घूरा, जीजाजी आप बहुत गंदे हैं… तभी जब मैं अन्दर आई तो आप का लौड़ा खड़ा था…! एक बात जीजा जी मैं भी बताऊँ कि जब आप मुझे चोद रहे थे तो मेरे मन में भी यह बात आई थी कि काश मेरी बुर कुतिया की तरह आप के लण्ड को पकड़ पाती, तो कितना मज़ा आता…! आप छूटने के लिए बेचैन होते, आप सोचते ताव-ताव में साली को चोद तो दिया, पर अब लंड फँसा कर बदनामी भी उठानी पड़ेगी…!

जीजा जी ने अब तक गर्म दिया था। मैंने उन्हें अपने ऊपर खींच लिया।

बोली- जीजा जी सुबह से बेचैन हूँ.. अब आ भी जाओ एक राउण्ड हो जाए।

हाँ रानी..! मैं भी सोकर उठने के बाद तुम्हारे इस बदमाश को मनाता आ रहा हूँ, पर अब यह भी अपनी मुनिया को देखकर मिलने के लिए बेचैन हो रहा है। जीजा जी अपने लौड़े की तरफ इशारा करके मेरी भाषा का प्रयोग करते हुए बोले और अपना समूचा लौड़ा मेरी बुर में पेल दिया, थोड़ा दर्द तो हुआ।

पर जब उनका लौड़ा मेरी बुर के अन्दर गर्भाशय के मुख तक पहुँच कर उसे चूमने लगा तो प्यासी बुर को बड़ी तसल्ली हुई।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

जीजा जी धक्के पर धक्के लगाए जा रहे थे और मैं भी अपनी चूतड़ नीचे से उठा-उठा कर अपनी बुर में उनके लण्ड को ले रही थी।

पर अचानक जीजा जी रुक गए, मैंने पूछा- क्या हुआ ? रुक क्यों गए ?

जीजा जी बोले- बुर के बाल गड़ रहे हैं..! और अब तो इसका राज जान कर ही आगे चुदाई होगी।

मैं जीजा जी के पीठ पर घूँसा बरसते हुए बोली- जीजा जी खड़े लण्ड पर धोखा देना इसे ही कहते हैं…! अच्छा तो अब ऊपर से हटिए, पहले राज ही जान लो..!

प्रिय पाठकों आपकी मदमस्त सुधा की रसभरी कहानी जारी है। आपके ईमेल की प्रतीक्षा में आपकी सुधा बैठी है।

alishachuddakad@ gmail.com

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

मेरे गांव की चुदक्कड़ देसी गर्ल और उसकी सहेली

नमस्कार मित्रो, मैं अर्जुन सिंह उर्फ़ बिट्टू हूँ। मेरा गांव चंडीगढ़ के पास पड़ता है। मैं दिखने में ठीक-ठाक हूँ। मैं एक पंजाबी लड़का हूँ। मेरे लिंग का साइज 6 इन्च है। बात 2 साल पहले की है.. जब मैंने […]
Full Story >>>

बुआ की सेक्सी किरायेदार की चूत मिल गई चोदने को

हैलो फ्रेंड्स, मेरा नाम अमित है, मेरी यह कहानी पिछले साल की है.. जब मैं पढ़ने के लिए अपनी दूर की बुआ के घर रहने गया था। बुआ का घर बहुत बड़ा था और उनके घर पर कई कमरे किराए […]
Full Story >>>

मेरा पहला सेक्स गर्लफ्रेंड की कुंवारी चूत चुदाई

सभी अन्तर्वासना पर हिंदी सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले पाठकों को आदर सहित प्रणाम ! मेरा नाम विक्की है, मैं नई दिल्ली के पूर्वी भाग में रहता हूँ। मैं दिखने में काफी क्यूट लगता हूँ। मेरी हाइट 5 फुट 7 इंच है.. […]
Full Story >>>

गांव की देसी दीदी की चूची और चूत

मेरा नाम सौरभ (बदला हुआ) है, मैं अन्तर्वासना डाट कॉम का बहुत बड़ा फ़ैन हूँ। यहाँ के अनुभवों से ही मैंने लड़की को लाइन में ला कर चुदाई करना सीखा है। इस चीज़ के लिए मैं अन्तर्वासना डाट कॉम का […]
Full Story >>>

बीवी की चूत चुदवाई गैर मर्द से-10

अब तक आपने पढ़ा.. मुझे अपना नौकर बना कर नेहा डॉक्टर सचिन की गोद में बैठ कर मुझसे फोटो खिंचवा रही थी। अब आगे.. डॉक्टर बोले- बेगम साहिबा, पिक्स ही खिंचवाओगी.. या हम कुछ करेंगे ? वो हंसने लगी, बोली- तुम […]
Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Meri Sex Story

मैं हूँ मस्त कामिनी... मस्त मस्त कामिनी... मेरी सेक्स स्टोरी डॉट कॉम अत्यधिक तीव्र गति से लोकप्रिय होती जा रही है, मेरी सेक्स स्टोरी साईट उत्तेजक तथा रोमांचक कहानियों का खजाना है...

Antarvasna Porn Videos

Antarvasna Porn Videos is our latest addition of hardcore porn videos.

Urdu Sex Videos

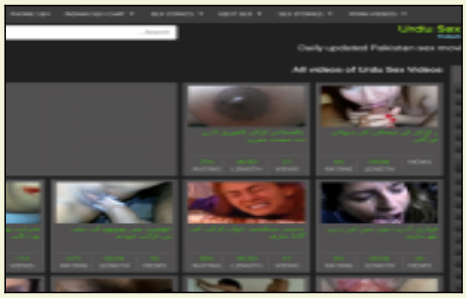

Daily updated Pakistani sex movies and sex videos.

Antarvasna Shemale Videos

Welcome to the world of shemale sex. We are here to understand your desire to watch sexy shemales either getting fucked or be on command and fuck other's ass or pussy. Choose your favourite style from our list and enjoy alone or with your partner. Learn new positions to satisfy your partner and enjoy a lots of dick raising movies.

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire